

मुजफ्फरपुर, शुक्रवार 1 जून, 2012 06

# बची बांद्रा, निशाने पर थी सप्तक्रांति एक्सप्रेस

सम्राट/दीपक ■ मुजफ्फरपुर

मोतिहारी रेलवे लाइन के पुल संख्या 143 के किलोमीटर 104/11-12 के जिस पटरी के नीचे सिलेंडर बम लगाया गया था, उसी पटरी पर सुबह 4.24 से लेकर 6.30 तक तीन महत्वपूर्ण ट्रेन व दो पैसेंजर ट्रेन पास कर चुकी थी. लेकिन किसी भी ट्रेन को कोई नुकसान नहीं हुआ. ऐसे में आशंका जतायी जाती है कि निशाने पर कोई खास ट्रेन थी. डोमीडीह गाँव के समीप होने व ग्रामीणों के आने जाने का रास्ता होने के कारण बम को रात में ही लगाये जाने की बात बतायी जा रही है. हालांकि सुबह 4.24 पर मुजफ्फरपुर से गोरखपुर जाने वाली 55207 फास्ट पैसेंजर ट्रेन, सुबह 5 बजे मोतीपुर से मुजफ्फपुर जाने वाली 55300 पैसेंजर ट्रेन, 5.45 पर 15268 जनसाधारण एक्सप्रेस, 6 बजे 13021 मिथिला एक्सप्रेस व 6.30 बजे पर 19040 बान्द्रा एक्सप्रेस उक्त पटरी से गुजरी . कयास लगाया जा रहा है कि इस बम का निशाना सप्तक्रांति ट्रेन था. इस बीच बम की वजह से 12557 सप्तक्रांति एक्सप्रेस 11.40 में, 12558 सप्तक्रांति एक्सप्रेस दोपहर एक बजे, 15653 गोहाटी-जम्मुतवी एक्सप्रेस दोपहर 12.52 में, 55210 फास्ट पैसेंजर ट्रेन 6 बजे सुबह के स्थान पर 11.22 मिनट पर काँटी रेलवे स्टेशन से अगले स्टेशन के लिए रवाना हुई.

**बम रात में लगाये जाने की हो रही है बात**

**गुजरती हैं कई महत्वपूर्ण ट्रेनें**

## घंटों इंतजार करते रहे यात्री

कांटी में पटरी उडाने की योजना की जानकारी होते ही विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों को एहतिहात के तौर पर रोक दिया गया था. इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पडा. मोतीपुर स्टेशन पर भी सप्तक्रांति एक्सप्रेस के यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे. मो सैफ, प्रवीण कुमार सहित अन्य यात्रियों ने बताया कि उन्हें परेशानी तो हुई, लेकिन एक बडा हादसा टल गया.

## एक किलो अमोनियम नाइट्रेट

सिलिंडर बम में नक्सलियों ने एक किग्रा के लगभग अमोनियम नाइट्रेट का जमा हुआ टुकडा का इस्तेमाल किया था. महज संयोग था कि नक्सली अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाये और समय रहते बम को निष्क्रिय कर दिया. विशेषज्ञों का मानना था कि अगर विस्फोट होता, रेलवे का भारी क्षति होती. इसके साथ ही जानमाल का नुकसान तो होता ही.

## सूझ-बूझ से टला हादसा

गुमटी नंबर 116 सी पर मात्र छह दिनों से तैनात ललन राय की सूझ-बूझ से गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया. समय रहते उसने स्थानीय थाना सहित वरीय रेलवे अधिकारियों को मामले से अवगत कराया. इसी बीच मालगाडी को आते देख लाल झंडा दिखा कर गाडी को रोका. रेलवे के वरीय अधिकारियों ने ललन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने अपने कर्तव्य का पालन किया है.

## सेक्शन इंजीनियर के आवेदन दर्ज हुआ मामला

समस्तीपुर मंडल के मोतिहारी में तैनात सेक्शन इंजीनियर ओम प्रकाश के लिखित आवेदन पर कांटी थाने में धारा 427/511, 3,4,5 विस्फोटक अधिनियम व 17 सीआइए एक्ट के तहत कांड संख्या 165/12दर्ज की गयी है.

1. मोतीपुर स्टेशन पर खड़ी ट्रेनें. 2. निष्क्रिय बम दिखाते अधिकारी. 3. गुजरनेवाली थी यही मालगाड़ी. 4. मौके पर जमा लोग. 5. बम से निकला अमोनियम नाइट्रेट. 6. मौके से मिला माओवादी परचा. 7. आराम करता ट्रेन ड्राइवर. 8. खोजी कुत्ते का स

मुजफ्फरपुर, शुक्रवार

1 जून, 2012 06

# बची बांद्रा, निशाने पर थी सप्तक्रांति एक्सप्रेस

सम्राट/दीपक मुजफ्फरपुर

मोतिहारी रेलवे लाइन के पुल संख्या 143 के किलोमीटर 104/11-12 के जिस पटरी के नीचे सिलेंडर बम लगाया गया था, उसी पटरी पर सुबह 4.24 से लेकर 6.30 तक तीन महत्वपूर्ण ट्रेन व दो पैसेंजर ट्रेन पास बम रात में कर चुकी थी. लेकिन किसी भी ट्रेन को कोई नुकसान नहीं हुआ.

ऐसे में आशंका जतायी जाती है कि निशाने पर कोई खास ट्रेन थी. डोमीडीह गाँव के समीप होने व ग्रामीणों के आने जाने का रास्ता होने के कारण बम को रात में ही लगाये जाने की बात बतायी जा रही है..

## लगाये जाने की हो रही है बात गुजरती हैं कई महत्वपूर्ण ट्रेनें

हालांकि सुबह 4.24 पर मुजफ्फरपुर से गोरखपुर जाने वाली 55207 फास्ट पैसेंजर ट्रेन, सुबह 5 बजे मोतीपुर से मुजफ्फपुर जाने वाली 55300 पैसेंजर ट्रेन, 5.45 पर 15268 जनसाधारण एक्सप्रेस, 6 बजे 13021 मिथिला एक्सप्रेस व 6.30 बजे पर 19040 बान्द्रा एक्सप्रेस उक्त पटरी से गुजरी. कयास लगाया जा रहा है कि इस बम का निशाना सप्तक्रांति ट्रेन था. इस बीच बम की वजह से 12557 सप्तक्रांति एक्सप्रेस 11.40 में, 12558 सप्तक्रांति एक्सप्रेस दोपहर एक बजे, 15653 गोहाटी - जम्मुतवी एक्सप्रेस दोपहर 12.52 में, 55210 फास्ट पैसेंजर ट्रेन 6 बजे सुबह के स्थान पर 11.22 मिनट पर काँटी रेलवे स्टेशन से अगले स्टेशन के लिए रवाना हुई.

03

**04**

सूझ-बूझ से टला हादसा

गुमटी नंबर 116 सी पर

मात्र छह दिनों से तैनात

ललन राय की सूझ-बूझ

## घंटों इंतजार करते रहे यात्री

कांटी में पटरी उड़ाने की योजना की जानकारी होते ही विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों को एहतिहात के तौर पर रोक दिया गया था. इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पडा. मोतीपुर स्टेशन पर भी सप्तक्रांति एक्सप्रेस के यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे. मो सैफ, प्रवीण कुमार सहित अन्य यात्रियों ने बताया कि उन्हें परेशानी तो हुई, लेकिन एक बड़ा हादसा टल गया.

**01**

सेक्शन इंजीनियर के आवेदन दर्ज हुआ मामला समस्तीपुर मंडल के मोतिहारी में तैनात सेक्शन इंजीनियर ओम प्रकाश के लिखित आवेदन पर कांटी थाने में धारा 427/511, 3, 4, 5 विस्फोटक अधिनियम व 17 सीआइए एक्ट के तहत कांड संख्या 165/12दर्ज की गयी है.

से गुरुवार को एक बड़ा 05

हादसा टल गया. समय

रहते उसने स्थानीय थाना सहित वरीय रेलवे अधिकारियों को मामले से अवगत कराया. इसी बीच मालगाडी को आते देख लाल झंडा दिखा कर गाडी को रोका. रेलवे के वरीय अधिकारियों ने ललन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने अपने कर्तव्य का

पालन किया है.

06

काने धर्म पर

FIATT

सीमानदी (मेनिया) में

एस.

नरिंग

जनता के ऊप

हत्या करने के

विशेष सई को भारत

उप विहार परिश्रम जोनल कमिटी भारी पार्टी (माओवादी

02

## एक किलो अमोनियम नाइट्रेट

सिलिंडर बम में नक्सलियों ने एक किग्रा के लगभग अमोनियम नाइट्रेट का जमा हुआ टुकड़ा का इस्तेमाल किया था. महज संयोग था कि नक्सली अपने उदेश्य में सफल नहीं हो पाये और समय रहते बम को निष्क्रिय कर दिया. विशेषज्ञों का मानना था कि अगर विस्फोट होता, रेलवे का भारी क्षति होती. इसके साथ ही जानमाल का नुकसान तो होता ही.

**07**

# 17927

**08**

1. मोतीपुर स्टेशन पर खड़ी ट्रेनें. 2. निष्क्रिय बम दिखाते अधिकारी. 3. गुजरनेवाली थी यही मालगाड़ी. 4. मौके पर जमा लोग. 5. बम से निकला अमोनियम नाइट्रेट. 6. मौके से मिला माओवादी परचा. 7. आराम करता ट्रेन ड्राइवर. 8. खोजी कुत्ते का स